NEW ERA AGRICULTURE MAGAZINE

किसानो की आय को बढ़ाने वाले प्रमुख कारक तथा किसानो के फायदे की प्रमुख योजनाये

मोनिका कुमावत, गीता यादव

परिचय:

किसानों की आय विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है और यह भारत में अकेले व्यवसायिक गतिविधियों में से एक है। किसानों की आय के प्रमुख कारक निम्नलिखित होते हैं:

1. फसलों का प्रबंधन: फसलों के सही प्रबंधन, जैसे कि बीज की चयन, बुआई, और पोषण, किसानों की आय को प्रभावित कर सकता है।
2. जल संसाधन: सिंचाई और जल संचयन की अच्छी प्रथा फसलों के उत्पादन में मदद कर सकती है और आय को बढ़ा सकती है।
3. उपज मूल्य: फसलों की बेहतर मूल्य प्राप्त करने के लिए किसानों को बाजारों और मंडियों तक पहुंचने के लिए सहायकता की आवश्यकता होती है।
4. कर्ज़: ऋण की दर, किसानों की आय को प्रभावित कर सकती है, जो उन्हें आर्थिक दबाव में डाल सकता है।
5. वायुमंडल और जलवायु: बागवानी और कृषि क्षेत्र के लिए मौसम और जलवायु शर्तें महत्वपूर्ण होती हैं, क्योंकि उनका प्रभाव फसलों के उत्पादन पर होता है।
6. सरकारी योजनाएं: विभिन्न सरकारी योजनाएं जैसे कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN), किसान क्रेडिट योजनाएं, और कृषि समर्थन योजनाएं किसानों की आय को सुधारने में मदद करती हैं।
7. प्रौद्योगिकी: नवाचारी कृषि तकनीकों का प्रयोग किसानों के उत्पादन को बढ़ाने और आय को बढ़ाने में मदद कर सकता है।
8. किसान संगठन: किसान संगठनों के माध्यम से किसानों को उत्पादों की मूल्य प्राप्ति के लिए बेहतर बाजार पहुंचने की सामर्थ्य मिलती है।
9. खरीफ और रबी फसलें: भारत में किसान खरीफ और रबी फसलों की खेती करते हैं, और इन फसलों के प्रबंधन पर उनकी आय प्रभावित होती है।
10. पर्यावरण और सामाजिक कारक: पर्यावरणीय प्रभाव और सामाजिक कारक भी किसानों की आय पर असर डाल सकते हैं, जैसे कि प्राकृतिक आपदाएं और समाज में बदलाव।

मोनिका कुमावत ,कृषि प्रसार विभाग, आर बी एस कॉलेज आगरा (डाॅ भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा,उत्तरप्रदेश)

गीता यादव शोध छात्रा, सब्जी विज्ञान विभाग, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर

किसानों की आय को बढ़ाने के लिए, सरकारें और संगठनें उन्हें वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण, और तकनीकी समर्थन प्रदान करने का प्रयास कर रही हैं, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके।

किसानों के फायदे की प्रमुख योजनाएं कृषि सेक्टर में उनके आर्थिक और सामाजिक विकास को समर्थन प्रदान करती हैं। ये योजनाएं किसानों के जीवन को सुधारने, उनकी आय को बढ़ाने, और कृषि क्षेत्र में सुधार करने के उद्देश्य से बनाई जाती हैं। निम्नलिखित हैं कुछ प्रमुख किसान कल्याण योजनाएं:

1. प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN): इस योजना के तहत, किसानों को साल में 6,000 रुपये की सहायता प्रदान की जाती है, जो कि तीन बार्षिक किश्तों में दी जाती है।
2. कृषि योजनाएं (Agricultural Schemes): सरकार ने विभिन्न कृषि योजनाएं चलाई हैं जैसे कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री कृषि बीमा योजना, और कृषि क्रेडिट योजनाएं जो किसानों को वित्तीय समर्थन प्रदान करती हैं।
3. सुस्त कर्ज माफी योजनाएं (Debt Waiver Schemes): कई राज्यों ने किसानों के लिए सुस्त कर्ज माफी योजनाएं चलाई हैं, जिसमें उनके ऋणों को माफ करने का प्रस्ताव होता है।
4. कृषि वितरण और मार्केटिंग योजनाएं (Agricultural Marketing Schemes): ये योजनाएं किसानों को उत्पादों को बेहतर मार्केटों तक पहुंचाने और उनकी आय को बढ़ाने के लिए तय की जाती हैं।
5. कृषि शिक्षा और प्रशिक्षण (Agricultural Education and Training): किसानों के लिए कृषि शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है ताकि उन्हें नई तकनीकों और अनुसंधानों के बारे में जागरूक किया जा सके।
6. किसान क्रेडिट योजनाएं (Farm Credit Schemes): विभिन्न किसान क्रेडिट योजनाएं उपलब्ध हैं जो किसानों को ऋण प्राप्त करने में मदद करती हैं।
7. कृषि तकनीक और मॉडल खेतिगी (Agricultural Technology and Model Farming): किसानों को नवाचारी कृषि तकनीकों और मॉडल खेतिगी का परिचय कराने और इसके लिए सहायकता प्रदान करने के लिए योजनाएं चलाई जाती हैं।
8. किसानों के स्वास्थ्य और आय की सुरक्षा (Health and Income Security for Farmers): किसानों की स्वास्थ्य सेवाओं और आय की सुरक्षा के लिए योजनाएं चलाई जाती हैं, जैसे कि आय प्रामाणिकरण योजनाएं।
9. कृषि बाजार योजनाएं (Agricultural Market Schemes): किसानों के लिए बेहतर बाजार पहुंचने और उनकी आय को बढ़ाने के लिए बाजार योजनाएं चलाई जाती हैं, जैसे कि आधारित वित्तीय सहायता और विकसित बाजार संरचनाएं।
10. किसान संगठन (Farmer Organizations): किसान संगठनों को प्रमोट करना और किसानों की आवाज को सुनने और सरकार के साथ बातचीत करने में मदद करना।

ये योजनाएं किसानों को उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार करने और कृषि सेक्टर को मजबूत और सुस्त बनाने में मदद करती हैं। इनका उद्देश्य होता है किसानों को अधिक आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाना।